

राजगुणैर्वृत्तो युवराजः समीक्षितः 43,9. यत् तन्मानुषादन्यदेवं तदसमीक्षितम् 5,81,8. — 5) *untersuchen, prüfen, überlegen, in Betracht ziehen*: किं समीक्षितमिह वयम् R. 2,68,3. एवमार्य समीक्ष्य त्वं प्रीतो भवितुमर्हसि 5,73,61. M. 7,19. R. 2,38,26. अतः समीक्ष्य कर्तव्यम् Çāk. 120, v. l. समीक्ष्य कारिणम् M. 7,26. उचितमेवैतन्मासमीक्ष्य कारिणः Hit. 43,22. AK. 3,1,17. नासमीक्ष्य परं स्थानं पूर्वमायतनं त्यजेत् Kān. 32. ज्ञातिज्ञानपदान्धर्मान् श्रेणिधर्माश्च धर्मवित् समीक्ष्य कुलधर्माश्च स्वधर्मं प्रतिपादयेत् ॥ M. 8,41. कार्यं च कालं च समीक्ष्य बुद्ध्या R. 3,40,33. 38,26. 2,109,37. 5,81,3. BRĀHMAN. 2,32,35. P. 2,1,32. Kār. Hit. III,8. प्रागेव हि मया बुद्ध्या बहुधा तत्समीक्षितम् R. 5,82,4. PAÑKAT. 129,12. — caus. act. und med. 1) *Jmd Etwas sehen lassen*: समीक्ष्यस्व गार्पतो नभसि AV. 4,13,3. auch mit instr. des Gegenstandes: सोमक्रयण्या च समीक्ष्यमाणम् (pass.) Kār. Çr. 7,6,26 (Manibh. zu VS. 4,23 und Çr. Br. 3,3,4,11). पत्नीमुद्रात्रा समीक्ष्यति 10,7,2. Vielleicht gehört auch hierher: सं यज्जानान्त्रतुभिः प्रूरं इत्यङ्गं कृतिं तरुषत् अश्वस्यः RV. 4,132,5. — 2) *sich sehen lassen*: समीक्ष्यतु तविषाः सुदानवः AV. 4,13,2. 11,9,6,9.

— अनुसम् *im Auge haben*: देवतामनुसमीक्ष्य गुरुपात् Çr. Br. 12,6,4,2.

— अभिसम् 1) *sehen, ansehen*: तान्पार्थिवान्स्वार्णयूथपार्श्वान्समागतोस्तत्र मरुत्परणये । वनौकसस्ते ऽभिसमीक्ष्य सर्वं तन्मूढमनुमन् R. 2,100,39. Suçr. 4,1,11. — 2) *im Auge haben*: अस्माकमेकमतीनां मतमभिसमीक्ष्य Suçr. 4,1,3,3. — 3) *einsehen, prüfen*: एवमभिसमीक्ष्य Suçr. 1,30,21. 60,14. 2,47,9. pass.: पद्भेदेन पादानां विभागो ऽभिसमीक्ष्यतु (sic) RV. PRĀT. 17,14.

— प्रसम् 1) *sehen, ansehen, erblicken, gewahren*: स च — राजानं प्रसमीक्षितुम् । तत्राज्ञगाम MBh. 18,82. कुमारमनं प्रसमैतत (er sah an) R. 5,42,1,6. पाण्डवान् — कृतान्प्रसमीक्ष्य MBh. 1,544,4. 4,217. R. 3,52,52. 4,11,7. 6,36,12. KUMĀRAS. 4,49. सह सर्वाः समुत्पन्नाः प्रसमीक्ष्यापेदा भृशम् M. 7,214. शुक्रप्रस्थापने कालं मल्लियाः प्रसमीक्ष्य MBh. 1,238,3. आत्मतत्त्वं प्रसमीक्ष्य Çvetāçv. Up. 2,14. यथाविकारं प्रसमीक्ष्यमाणाः प्रयाति पुत्रास्तव MBh. 3,1258,7. — 2) *erwägen, in Betracht ziehen*: समुत्पत्तिं च मांसस्य वधवन्धौ च देखिनाम् । प्रसमीक्ष्य M. 5,49. कुलं ध्यातिं च वृत्तं च बुद्ध्या तु प्रसमीक्ष्य MBh. 1,437,4. 1417. तदेतत्प्रसमीक्ष्य R. 1,56,24. संतारश्चित्यतामत्र पूर्वं यः प्रसमीक्षितः 5,74,17. Suçr. 2,363,8. — 3) *anerkennen, annehmen*: संकरस्तत्र — बलवान्प्रसमीक्षितः MBh. 3,1248,6. यदि ते वृत्तो राजन्वाक्षणाः प्रसमीक्षितः wenn du Jmd in Folge seiner Lebensweise für einen Brahmanen erklärt 12480.

ईक्ष (von ईत्) n. gebildet zur Erkl. von अक्षरिण Çr. Br. 7,1,2,23.

ईक्षक (wie eben) m. Zuschauer: नासंवत्सरभूतस्येक्षका च न भवितव्यम् Çr. Br. 7,1,2,11. Āçv. GRH. 1,8.

ईक्षण (wie eben) n. 1) *Blick, Anblick* AK. 3,3,31. 4,226. Trik. 3,3,121. H. 576. Med. n. 36. वयं सर्वे ऽपि सोत्सुकाः कृतेक्षणस्तिष्ठामः hinblickend PAÑKAT. 52,12. mit dem obj. comp.: आह्वनयिष्यन्तात् Kār. Çr. 8,7,15. 8,14. दोषेक्षणं Sāh. D. 76,3. कृतघ्ना धनलोभान्धा नोपकारिण्यक्षणाः Vid. 240. — 2) *das nach-Etwas - Nachsehen, sich - um - Etwas-Kümmern, Besorgen*: पारिषाक्ष्यस्य चेत्तणे (स्त्रियं नियोजयेत्) M. 9,11. खिन्नः कार्येक्षणे नृणाम् 7,141. — 3) *Auge* AK. 2,6,2,44. Trik. H. 575. Med. अभिमुखे मयि संवृतमीक्षणम् Çāk. 44, v. l. अनिमिषेक्षणौ MBh. 1,1501. लोहितेक्षणं Hit. 3,20. R. 1,4,14. Çāk. 26. Suçr. 1,103,18. 121,

13. 233,17. आद्रशाभाप्राकृतक्षणं (नृपेण) Ragh. 2,27. यद्याद्वरैरितेक्षणः AK. 3,4,1,17. ईक्षणपाकं Suçr. 2,330,19. am Ende eines adj. comp. f. आ N. 12,1. 16,17. 24,40. R. 1,9,24. 17,24. 3,12,18. 24,13. Çāk. 67. Vikr. 32. Çr. 32.

ईक्षणिक (von ईक्षण) m. Wahrsager H. 483. M. 9,258. f. ०का AK. 2,6,4,20.

ईक्षा (von ईत्) f. das Schauen, Erwägen: अश्वणादनु पश्चादीक्षा अश्वीक्षा Sch. zu Got. S. in Z. d. d. m. G. 6,3, N. 3.

ईक्षितर (wie eben) nom. ag. der da sieht, schaut: नित्यं स्थितस्ते ह्येष पुण्यपणेक्षिता मुनिः M. 8,91. विश्वेक्षितुः PRAB. 108,14.

ईक्षेय (wie eben) adj. sehenswerth, spectabilis: ईक्षेयसो मृच्छो ई न चारवः RV. 9,77,3.

ईक्ष्, ईक्षति Dhātup. 3,28 (गति). ईक्षते Naigh. 2,14. caus. schwankend bewegen, schaukeln: य ईक्ष्यति पर्वताक्षिरः समुद्रमार्गवम् RV. 4,19,7. ईक्ष्यतोऽपस्युव ईक्ष्णातमुपसते 10,133,1. भुवुं समुद्र आ रजसः पार ईक्षितम् 143,5. 9,52,3. कौनमिव वा एतदीक्षितमिव Air. Br. 1,11. — ईक्ष्, ईक्षति Dhātup. 3,28, v. l.

— परि, परिङ्क्षयति AV. 18,2,58 ungeeignete Var. für पर्यङ्क् des RV.

— प्र zittern: प्रेङ्क्षन्तु भुवि नितिः Bhatt. 17,108. प्रेङ्क्षत्काञ्चीकलापाः Bhatt. 1,66. Amar. 1. — caus. schaukeln: प्र प्रेङ्क्ष ईक्ष्यावकै RV. 7,88,3. ताः — दोलया प्रेङ्क्षन् Ragh. 19,44. प्रेङ्क्षित AK. 3,2,36. H. 1480.

— सम् caus.: समिदसि सम्वेङ्क्षन्दिषेण वीरिषण Air. Br. 8,9 ungeachtet der Uebereinstimmung der Handschr. und des Comment. augenscheinliche Verderbnis aus सम्विट्स्व von इन्ध्.

ईक्ष्य (von ईक्ष्) s. दानमीक्ष्य, वाचमी, समुद्रमी.

ईक्ष् s. इक्ष् mit सम्.

ईत्, ईक्षति (nach Einigen auch ईक्षति) gehen; tadeln Dhātup. 6,24. — अनेक्षति u. s. w. s. u. इत्.

ईक्षान und ईक्षितुम् s. u. यत्.

ईक्षिक m. pl. N. eines Volkes VP. 191.

ईट्, ईट्टे, ईटिषे (ईक्षिषे), ईटे, ईटिषे, ईटते; ईटिष, ईटिषम्; ऐट्, ईटिरे (R. 3,9,8) Dhātup. 24,9. P. 7,2,78. Vop. 9,38,39. anflehen; erbitten, bitten; mit dopp. acc.: अग्निमीक्षि पुरोहितम् RV. 4,1,1. 14,5. 84,18. अग्निं सूक्तेभिर्वचैर्भारोमहे यं सोमिदं ईक्षते 36,1. त्वा त्मारी दसमानो भर्गमीदृ तत्त्वावीर्ये 134,5. 180,2. 3,1,15. 6,3. 4,3,3. 6,60,10. उपस्थाप्य मातरमन्मैट् 3,48,3. ईक्षिषा हि प्रतीच्यैः यजस्व ज्ञातवैदसम् 8,23,1. 43,22. ईक्षामका ईक्षा अग्नेन 10,53,2. VS. 7,3. उत पुत्रः पितरं तत्रमीटे AV. 5,1,8. Çr. Br. 1,4,3,5. 3,2,3. preisen Dhātup. G. 2,1. सूरसंघाश्च बहुवक्ष मरुष्यः । अक्षरोनगतं देवं गीर्भिर्य्याभिरौटिरे ॥ R. 3,9,8. नेटिषे यदि काकुत्स्थम् Bhatt. 9,57. ईटिषे स्म स्वविक्रमम् 18,15. partic. ईक्षानः देवा ईक्षाना ऋषिवत्स्वस्त्ये RV. 10,66,14. ईक्षानायावस्वये 2,6,6. 5,28,1. 8,91,2. VS. 27,14. ईक्षमान gelobt werdend Ragh. 18,16. ईटितं (ईक्षितं) AK. 3,2,59. RV. 7,7,3. 10,15,12. त्वमीक्षितो देवेभ्यो वयसि 1,139,7. 142,4. 2,3,3. 5,3,7. 10,69,1. Çr. Br. 1,4,3,5. 3,3,11. — caus. ईटयति dass. Dhātup. 32,128.

— प्र dass.: प्र घोवा यक्षैः पृथिवी नमोभिः सन्नाथं ईक्षि RV. 7,33,1. 8,19,2.

— उपप्र dass.: प्र यत्स्तोता जरीता तूषर्यथै वृषायमाण उप गीर्भिरिदृ RV. 3,52,5.